दिग्विजयनाथ स्नातकोत्तर महाविद्यालय
गोरखपुर-273009
(नैक प्रत्यायित 'B' श्रेणी)
सम्बद्ध
दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय, गोरखपुर

☎ & Fax : 0551-2334549
: 09792987700
e-mail : digvijayans@gmail.com
: dnpggkp@gmail.com
website : www.dnpgcollege.edu.in

पत्रांक : /2019–20 दिनांक 13.05.2020

समाचार स्वरूप प्रकाशनार्थ

कोरोना महामारी ने हमें विकल्प तलाशने का अवसर दिया है– प्रो. के.एन. सिंह

गोरखपुर 13 मई 2020। कोरोना महामारी ने जिस प्रकार मानव जनजीवन को प्रभावित किया है ऐसा हाल फिर हाल नहीं हुआ था। पूरी दुनिया इस संकट में लाकडाउन के माध्यम से कैद है जिसके कारण जीवन का हर क्षेत्र प्रभावित हो रहा है। शिक्षा के क्षेत्र में इसका व्यापक प्रभाव पड़ा है जिसके कारण पठन–पाठन की गतिविधियां बन्द पड़ी है वही सभी परीक्षाओं पर ग्रहण सा लग गया है। एक तरफ जहॉ इन समस्याओं ने हमें घेर रखा है वहीं दूसरी ओर इनसे निजात पाने के लिए सरकार, शिक्षण संस्थाओं, शिक्षकों एवं विद्यार्थियों को इसका विकल्प तलासने का अवसर भी प्रदान किया हैं।

उक्त बातें उ.प्र. राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज के कुलपति प्रोफेसर के.एन. सिंह ने दिग्विजयनाथ जयंती सप्ताह समारोह के समापन के अवसर पर फेसबुक लाइव के माध्यम से कोविड–19 एवं उच्च शिक्षा विषय पर मुख्य वक्ता के रूप अपने उद्बोधन में कहीं।

अपने उद्बोधन के प्रारम्भ में प्रो. सिंह ने युगपुरूष ब्रह्मलीन महन्त दिग्विजयनाथ जी महाराज को श्रद्धांजलि अर्पित की तथा उनकी महत्वपूर्ण कृतियों को स्मरण करते हुए कहा कि महाराज जी का व्यक्तित्व एवं कृतित्व समाज के लिए एक ध्रुव तारे की तरह है। जीवन में जब भी भ्रम की स्थिति उत्पन्न हो तो हमें उनका व्यक्तित्व एवं कृतित्व की ओर देखना चाहिए जिससे हमें दिशा बोध हो सके।

इस महामारी से निपटने के लिए शिक्षा के क्षेत्र में आईटी की भूमिका का उल्लेख करते हुए उन्होंने कहा कि आज आवश्यकता है कि हम अपने ऑनलाइन काण्टेन्ट को और अधिक समृद्ध करें जिससे इस प्रकार की परिस्थितियों में शिक्षा व्यवस्था को गतिशीलता प्रदान की जा सकें। यद्यपि कि यह चॉक एण्ड टॉट का कभी भी विकल्प नही हो सकता परन्तु पूरक अवश्य हो सकता है। इसके माध्यम से एक ओर जहॉ उपलब्ध संसाधनों का अनुकुलतम उपयोग हो सकता है वहीं अधिगम को भी बढ़ाया जा सकता है। उन्होंने प्रधानमंत्री जी के इस सुत्र जिसमें इनफार्मेशन टेक्नोलॉजी + इंडियन टैलेंट = इंडिया टुमारो का उल्लेख करते हुए कहा कि यदि हम भारत के युवाओं को सूचना तंत्र के माध्यमों से सुसज्जित करके परिपक्व बना देंगे तो आने वाले समय में सूचना प्रौद्योगिकी का क्षेत्र भी उतना ही अधिक सुदृढ़ होगा और हम भविष्य के भारत का निर्माण कर सकेंगे। इस संकट काल में ऑनलाइन शिक्षा ही एक प्रभावी विकल्प के रूप में सामने आया है।

मानव संसाधन विकास मंत्रालय ने उच्च शिक्षा के लिए स्वयं–प्रभा नामक प्लेटफार्म दिया है जिसके द्वारा कहीं भी और कभी भी उच्च शिक्षा प्रदान करके व्यक्ति को मुख्यधारा में लाने के लिए ऑनलाइन एजुकेशन बहुत उपयोगी सिद्ध हो रहा है। हमारा शिक्षक समुदाय एवं छात्र समुदाय सूचना तंत्र से सुसज्जित हो यह हमारी आवश्यकता हो गई है।

प्रो0 सिंह ने ऑनलाइन शिक्षा प्रणाली की चुनौतियों का उल्लेख करते हुए बताया कि आज भारत में मात्र 23 प्रतिशत लोग ही इन्टरनेट से जुड़े है। शहरी क्षेत्रों में यह आकडा जहॉ 42 प्रतिशत है वहीं ग्रामीण क्षेत्र में मात्र 15 प्रतिशत लोगों तक ही इन्टरनेट की पहुंच है। ऐसे में आवश्यकता है कि डिजिटल अधिगमता को हर गांव एवं व्यक्ति तक पहुंचाया जाय। सूचना प्रद्योगिकी के शिक्षा के क्षेत्र में उपयोग के जहां कई फायदे हैं तो वही इसके कुछ दुष्परिणाम भी सामने आ रहे है। फेसबुक व इंस्टाग्राम के द्वारा समाज, संस्कृत एवं राष्ट्र विरोधी गतिविधियां घातक सिद्ध हो रही हैं। इसके दुष्प्रयोग को रोकने के लिए सरकार को मजबूत साइबर कानून बनाने की आवश्यकता है तथा क्या करें और क्या ना करें इसे भी निश्चित करने के साथ ही व्यापक स्तर पर जन–जागरूकता अभियान चलाना होगा। उच्च शिक्षा के क्षेत्र में डिजिटल क्रांति के लिए विश्वविद्यालयों व महाविद्यालयों में संसाधनो को विकसित करने के लिए सरकार को सहयोग करना चाहिए।

कार्यक्रम के अन्त में महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. शैलेन्द्र प्रताप सिंह ने इस साप्ताहिक जयंती समारोह के सभी वक्ताओं के प्रति आभार व्यक्त किया। उन्होंने महाविद्यालय के शिक्षकों, कर्मचारियों एवं विद्यार्थियों के साथ ही समाज के प्रबुद्धजनों एवं मीडिया कर्मियों का भी आभार व्यक्त किया जिन्होंने इस कार्यक्रम को सफल बनाया एवं लाकडाउन के इस विपरीत परिस्थिति मे भी महाविद्यालय को गतिशीलता प्रदान की। इस कार्यक्रम में महाविद्यालय प्राध्यापक, डॉ सरोज शाही, डॉ. शशिप्रभा सिंह, डॉ. समृद्धि सिंह, डॉ. रूक्मिणी चाधरी व डॉ. सुभाष चन्द्र, डॉ. नितेश शुक्ला सहित महाविद्यालय तथा अन्य संस्थाओं के शिक्षक, विद्यार्थी व कर्मचारी तथा समाज के प्रबुद्ध जन फेसबुक के माध्यम से जुड़े।

डॉ.(शैलेश कुमार सिंह)
प्रभारी सूचना एवं जनसम्पर्क